शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, रायपुर 492 001 (छत्तीसगढ़)

(पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर से संबद्ध)

एम. ए. (हिन्दी) पाठ्यक्रम

(सेमेस्टर प्रणाली)

शैक्षणिक सत्र् 2018–19

शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय रायपुर 492001 (छत्तीसगढ़)

हिन्दी विभाग

पाठ्यक्रम

शैक्षणिक सत्र् 2018–19

एम.ए.(हिन्दी) अंक विभाजन (सेमेस्टर–प्रणाली)

प्रश्न पत्र	शीर्षक	क्रेडिट्स	सैद्धांतिक	आंतरिक	कुल योग
प्रथम	हिन्दी साहित्य का इतिहास भाग–एक	**20**	80	20	100
द्वितीय	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य भाग–एक	**20**	80	20	100
तृतीय	आधुनिक हिन्दी काव्य भाग–एक	**20**	80	20	100
चतुर्थ	आधुनिक गद्य साहित्य भाग–एक	**20**	80	20	100

यही अंक विभाजन प्रणाली प्रत्येक सेमेस्टर में लागू होगी। इस प्रकार कुल 1600 अंक होंगे।

एम.ए.(हिन्दी) अंक विभाजन सेमेस्टर प्रणाली

प्रथम सेमेस्टर

				सै.+आं.=कुल अंक			
प्रश्न पत्र				**बाह्य**	**आंतरिक**	**कुल**	**क्रेडिट्स**
प्रथम	–	हिन्दी साहित्य का इतिहास भाग–एक	–	80	20	100	5
द्वितीय	–	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य भाग–एक	–	80	20	100	5
तृतीय	–	आधुनिक हिन्दी काव्य भाग–एक	–	80	20	100	5
चतुर्थ	–	आधुनिक गद्य साहित्य भाग–एक	–	80	20	100	5
						कुल	**20**

द्वितीय सेमेस्टर

				सै.+आं.= कुल अंक			
प्रश्न पत्र				**बाह्य**	**आंतरिक**	**कुल**	**क्रेडिट्स**
प्रथम	–	हिन्दी साहित्य का इतिहास भाग–दो	–	80	20	100	5
द्वितीय	–	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य भाग–दो	–	80	20	100	5
तृतीय	–	आधुनिक हिन्दी काव्य भाग–दो	–	80	20	100	5
चतुर्थ	–	आधुनिक गद्य साहित्य भाग–दो	–	80	20	100	5
						कुल	**20**

तृतीय सेमेस्टर

प्रश्न पत्र				सै.+आं.= कुल अंक			
प्रथम		काव्य शास्त्र एवं साहित्यालोचन भाग–एक		**बाह्य**	**आंतरिक**	**कुल**	**क्रेडिट्स**
द्वितीय	–	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा भाग–एक	–	80	20	100	5
तृतीय	–	प्रयोजनमूलक हिन्दी भाग–एक	–	80	20	100	5
चतुर्थ	–	भारतीय साहित्य	–	80	20	100	5
						कुल	**20**

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्न पत्र				सै.+आं.= कुल अंक			
				बाह्य	**आंतरिक**	**कुल**	**क्रेडिट्स**
प्रथम		काव्य शास्त्र एवं साहित्यालोचन भाग–दो	–	80	20	100	5
द्वितीय	–	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा भाग–दो	–	80	20	100	5
तृतीय	–	प्रयोजनमूलक हिन्दी भाग–दो	–	80	20	100	5
चतुर्थ	–	जनपदीय भाषा साहित्य	–	80	20	100	5
						कुल	**20**

सै..=सैद्धांतिक, आं.=आंतरिक

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम

एम. ए. (हिन्दी)

(शैक्षणिक सत्र 2018–19)

क. स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम एवं अध्ययन की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए शिक्षा सत्र 2006–07 से वार्षिक पद्धति को सेमेस्टर पद्धति में परिवर्तित किया गया है। जिसके अंतर्गत एम.ए.–पूर्व में दो सेमेस्टर एवं एम.ए.–अंतिम में दो सेमेस्टर होंगे। कुल मिलाकर विद्यार्थियों को द्विवर्षीय पाठ्यक्रम में चार परीक्षाओं में शामिल होना पड़ेगा। विद्यार्थी एक सेमेस्टर की परीक्षा उत्तीर्ण करने बाद ही द्वितीय सेमेस्टर में प्रवेश पा सकेंगे।

ख. प्रत्येक सेमेस्टर में चार प्रश्नपत्र होंगे। एम.ए.–अंतिम (हिन्दी) का अष्टम प्रश्न पत्र वैकल्पिक रखा गया है। जिसमें दिये गये विकल्पों में से विद्यार्थी कोई एक विकल्प चुनने के लिए स्वतंत्र होगा। प्रत्येक प्रश्न पत्र 50 अंकों का होगा। साथ ही 100 अंक के प्रत्येक प्रश्न पत्र में से 20 अंक विद्यार्थी के आंतरिक मूल्यांकन के लिए रखे गये हैं। आंतरिक मूल्यांकन को दो भागों में बांटा गया है :–

1. **प्रायोगिक कार्य (10) –** इसमें प्रत्येक विद्यार्थी को प्रत्येक प्रश्न पत्र के लिए एक शोधपरक आलेख अर्थात् चार प्रश्नपत्रों के लिए चार शोधपरक आलेख तैयार कर जमा करने होंगे।

2. **इकाई मूल्यांकन अथवा सेमीनार (10 अंक) –** विभागीय सेमीनार आयोजित किये जायेंगे। जिसमें प्रत्येक विद्यार्थी को आलेख वाचन/स्वतंत्र (साहित्यिक विषय पर) भाषण/परिचर्चा के लिए मंच प्रदान किया जायेगा। यह सेमीनार अपने–अपने कालखण्डों में भी पूरा किया जा सकता है अथवा लिखित इकाई मूल्यांकन भी किया जा सकता है।
   आज विद्यार्थियों में पुस्तक अध्ययन एवं लिखने की प्रवृत्ति में कमी देखी जा रही है। अतः उपर्युक्त प्रायोगिक कार्य आज की परिस्थितियों के लिए आवश्यक बन चुका है।

ग. स्वाध्यायी छात्रों के लिए पूर्व से चली आ रही वार्षिक परीक्षा पद्धति ही लागू रहेगी। उनका प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा।

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र भाग–1

हिन्दी साहित्य का इतिहास

अधिकतम अंक : 80

पाठ्य विषय –

इकाई 1 हिन्दी साहित्य : इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास –
हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्यायें।
हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल–विभाजन और नामकरण, नामकरण की समस्यायें।

इकाई 2 आदिकाल : आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य।
हिन्दी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य/साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्य धारायें, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनायें।

इकाई 3 पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) –
सांस्कृतिक चेतना, भक्ति आंदोलन, भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, निर्गुण–सगुण भक्ति धारा, विभिन्न काव्य धारायें, उनका वैशिष्ट्य, संत काव्य सामान्य प्रवृत्तियाँ।

इकाई 4 सूफी प्रेमाख्यानक काव्य प्रवृत्तियाँ – प्रेमाख्यानक काव्य परम्परा और हिन्दी में उसका विकास। सूफी काव्य में भारतीय लोक जीवन के तत्व एवं भारतीय संस्कृति। राम भक्ति, कृष्ण भक्ति काव्य सामान्य प्रवृत्तियाँ और दार्शनिक विचारधाराएँ, उपलब्धियाँ।

अंक विभाजन

प्रपत्रानुसार

		इकाई–I	इकाई– II	इकाई– III	इकाई– IV	योग
खण्ड–अ	अतिलघुउत्तरी अथवा वैकल्पिक (2 प्रश्न) (अधिकतम 2 वाक्य में)	2X2=4 अंक	2X2=4 अंक	2X2=4 अंक	2X2=4 अंक	16
खण्ड–ब	लघुउत्तरी (1 प्रश्न) 200–250 शब्द	1X6=6 अंक	1X6=6 अंक	1X6=6 अंक	1X6=6 अंक	24
खण्ड–स	दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 400–450 शब्द	1X10=10 अंक	1X10=10 अंक	1X10=10 अंक	1X10=10 अंक	40
					कुल अंक	**80**

संदर्भ ग्रंथ –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. प्रमुख प्राचीन कवि – डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
4. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ – डॉ. शिव कुमार शर्मा।

APPROVED BY THE BOARD OF STUDIES ON		
डॉ. सविता मिश्रा	CHAIRMAN	
डॉ. आभा तिवारी	SUBJECT EXPERT (VC NOMINEE)	
डॉ. अंजलि शर्मा	SUBJECT EXPERT (PRINCIPAL NOMINEE)	
श्रीमती चंद्रज्योति श्रीवास्तव	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
डॉ. कल्पना मिश्रा	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
कु. सरस्वती कुमारी	**भूतपूर्व छात्रा**	

प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र भाग–1
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

अधिकतम अंक : 80

पाठ्य विषय –

व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नांकित तीन कवियों का अध्ययन अपेक्षित है।

इकाई–1. चंदबरदाई पृथ्वीराज रासो–सं. – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. नामवर सिंह (शशिव्रता विवाह खण्ड)।

इकाई–2. कबीर ग्रंथावली सं. डॉ. श्यामसुंदर दास (100 साखियाँ तथा 25 पद)

साखियाँ गुरूदेव कौ अंग 1 से 20, सुमिरण कौ अंग 1 से 10, विरह कौ अंग 1 से 10, ग्यान विरह कौ अंग 1 से 10, परचा कौ अंग 1 से 10,रस कौ अंग 1 से 5, निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग 1 से 10, चितावणी कौ अंग 1 से 10, माया कौ अंग 1 से 5, काल कौ अंग 1 से 10।

पद संख्या 11, 16, 24, 26, 27, 40, 47, 49, 60, 64, 70, 72, 75, 79, 89, 93, 98, 99, 100, 101, 103, 110, 111, 135, 268, कुल – 25 पद।

इकाई–3. मलिक मोहम्मद जायसी पद्मावत सं. आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागमती विरह खण्ड एवं मानसरोवर खण्ड)।

इकाई–4.द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 5 कवियों का एवं उनकी रचनाओं का अध्ययन अनिवार्य है, (1) अमीर खुसरो, (2) मीराबाई, (3) रहीम, (4) रैदास एवं (5) रसखान।

<u>प्रपत्रानुसार</u>

		इकाई–I	**इकाई– II**	**इकाई– III**	**इकाई– IV**	**योग**
खण्ड–अ	अतिलघुउत्तरी अथवा वैकल्पिक (2 प्रश्न) (अधिकतम 2 वाक्य में)	2X2=4 अंक	2X2=4 अंक	2X2=4 अंक	2X2=4 अंक	16
खण्ड–ब	लघुउत्तरी (1 प्रश्न) 200–250 शब्द	1X6=6 अंक	1X6=6 अंक	1X6=6 अंक	1X6=6 अंक	24
खण्ड–स						
भाग–एक	03, व्याख्याएँ – तीनों कवियों से एक–एक व्याख्या पूछी जायेगी दो हल करना है।				2X8=16 अंक	16
भाग–दो	दीर्घ उत्तरीय – तीनों कवियों से एक–एक प्रश्न पूछे जायेंगे दो हल करना है।				2X12=24 अंक	24
					कुल अंक	**80**

संदर्भ ग्रंथ :–

1. डॉ. विपिन बिहारी द्विवेदी – चंदबरदाई
2. कबीर की विचारधारा – डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
3. प्रमुख प्राचीन कवि – डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
4. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी
5. जायसी की विशिष्ट शब्दावली का विश्लेषणात्मक अध्ययन – डॉ. इंदिरा कुमारी सिंह
6. अमीर खुसरो और उनका साहित्य – डॉ. भोलानाथ तिवारी।

APPROVED BY THE BOARD OF STUDIES ON		
NAME	**IN THE CAPACITY OF**	**SIGNATURE**
डॉ. सविता मिश्रा	CHAIRMAN	
डॉ. आभा तिवारी	SUBJECT EXPERT (VC NOMINEE)	
डॉ. अंजलि शर्मा	SUBJECT EXPERT (PRINCIPAL NOMINEE)	
श्रीमती चंद्रज्योति श्रीवास्तव	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
डॉ. कल्पना मिश्रा	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
कु. सरस्वती कुमारी	**भूतपूर्व छात्रा**	

प्रथम सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र भाग–1
आधुनिक हिन्दी काव्य

अधिकतम अंक : 80

पाठ्य विषय –

इस प्रश्न पत्र में व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नांकित तीन कवियों का अध्ययन अपेक्षित है।

इकाई–1. मैथिलीशरण गुप्त – साकेत (नवम् सर्ग)।

इकाई–2. जयशंकर प्रसाद – कामायनी (चिंता, इड़ा, श्रद्धा सर्ग)।

इकाई–3. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला – राम की शक्ति पूजा, तुलसीदास (प्रथम दस छंद), सरोज स्मृति, कुकुरमुत्ता।

इकाई–4. द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 5 कवियों का एवं उनकी रचनाओं का परिचय जानना आवश्यक है। इनमें काव्य की विषयवस्तु एवं शिल्पगत विशेषताएँ महत्वपूर्ण है।

(1) जगन्नाथदास रत्नाकर,
(2) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध',
(3) महादेवी वर्मा,
(4) मुकुटधर पांडे
(5) हरिवंशराय बच्चन एवं
(6) सुमित्रानंदन पंत।

<u>प्रपत्रानुसार</u>

		इकाई–I	इकाई– II	इकाई– III	इकाई– IV	योग
खण्ड–अ	अतिलघुउत्तरी अथवा वैकल्पिक (2 प्रश्न) (अधिकतम 2 वाक्य में)	2X2=4 अंक	2X2=4 अंक	2X2=4 अंक	2X2=4 अंक	16
खण्ड–ब	लघुउत्तरी (1 प्रश्न) 200–250 शब्द	1X6=6 अंक	1X6=6 अंक	1X6=6 अंक	1X6=6 अंक	24
खण्ड–स						
भाग–एक	03, व्याख्याएँ – तीनों कवियों से एक–एक व्याख्या पूछी जायेगी दो हल करना है।				2X8=16 अंक	16
भाग–दो	दीर्घ उत्तरीय – तीनों कवियों से एक–एक प्रश्न पूछे जायेंगे दो हल करना है।				2X12=24 अंक	24
					कुल अंक	**80**

संदर्भ ग्रंथ :–

1. साकेत एवं अध्ययन – डॉ. नगेन्द्र
2. कवि निराला – नंद दुलारे वाजपेयी
3. प्रसाद का काव्य – डॉ. प्रेमशंकर
4. कामायनी एवं पुनर्विचार – मुक्तिबोध
5. निराला की साहित्य साधना – डॉ. रामविलास शर्मा।

APPROVED BY THE BOARD OF STUDIES ON		
NAME	**IN THE CAPACITY OF**	**SIGNATURE**
डॉ. सविता मिश्रा	CHAIRMAN	
डॉ. आभा तिवारी	SUBJECT EXPERT (VC NOMINEE)	
डॉ. अंजलि शर्मा	SUBJECT EXPERT (PRINCIPAL NOMINEE)	
श्रीमती चंद्रज्योति श्रीवास्तव	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
डॉ. कल्पना मिश्रा	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
कु. सरस्वती कुमारी	भूतपूर्व छात्रा	

प्रथम सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र भाग–1
आधुनिक गद्य साहित्य

अधिकतम अंक : 80

पाठ्य विषय –

व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नांकित गद्यकारों का अध्ययन किया जायेगा।

1. नाटक –

इकाई–1. स्कंदगुप्त – जयशंकर प्रसाद

इकाई–2. आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश

इकाई–3 निबंध –

1. साहित्य की महत्ता – महावीर प्रसाद द्विवेदी
2. कविता क्या है? – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
3. कुटज – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. युग निर्माता भारतेंदु हरिश्चंद्र – डॉ. रामविलास शर्मा
5. हमारी परम्परा और हम – विद्यानिवास मिश्र
6. भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई
7. नीलकंठ उदास – कुबेरनाथ राय

इकाई–4 द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 5 नाटककार, उपन्यासकार, कहानीकारों का विषय एवं शिल्पगत अध्ययन किया जायेगाः–

नाटककार	–	भारतेंदु हरिश्चंद
उपन्यासकार	–	मन्नु भंडारी
निबंधकार	–	श्यामसुंदर दास
कहानीकार	–	पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'
स्फुटगद्य रचनाकार	–	अमृतराय (कलम का सिपाही)

प्रपत्रानुसार

		इकाई–I	इकाई– II	इकाई– III	इकाई– IV	योग
खण्ड–अ	अतिलघुउत्तरी अथवा वैकल्पिक (2 प्रश्न) (अधिकतम 2 वाक्य में)	2X2=4 अंक	2X2=4 अंक	2X2=4 अंक	2X2=4 अंक	16
खण्ड–ब	लघुउत्तरी (1 प्रश्न) 200–250 शब्द	1X6=6 अंक	1X6=6 अंक	1X6=6 अंक	1X6=6 अंक	24
खण्ड–स						
भाग–एक	03–व्याख्याएँ – तीनों कवियों से एक–एक व्याख्या पूछी जायेगी दो हल करना है।				2X8=16 अंक	16
भाग–दो	दीर्घ उत्तरीय – तीनों कवियों से एक–एक प्रश्न पूछे जायेंगे दो हल करना है।				2X12=24 अंक	24
					कुल अंक	**80**

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिन्दी नाटक उद्‌भव एवं विकास – डॉ. दशरथ ओझा
2. हिन्दी निबंध का विकास – डॉ. ओंकारनाथ शर्मा
3. हिन्दी कहानी का रचना शास्त्र – डॉ. धनंजय वर्मा
4. नई कहानी संदर्भ और प्रकृति –
5. एकांकी कला – डॉ. रामकुमार वर्मा
6. स्वतंत्रता के बाद के हिन्दी उपन्यासों का सर्वागीण विवेचन – नेमिचंद जैन।

शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय रायपुर 492001(छत्तीसगढ़)

हिन्दी विभाग

पाठ्यक्रम

शैक्षणिक सत्र 2018–19

एम.ए.(हिन्दी) अंक विभाजन (सेमेस्टर–प्रणाली, द्वितीय)

प्रश्न पत्र	शीर्षक	क्रेडिट्स	सैद्धांतिक	आंतरिक	कुल योग
प्रथम	हिन्दी साहित्य का इतिहास भाग–दो	**5**	80	20	100
द्वितीय	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य भाग–दो	**5**	80	20	100
तृतीय	आधुनिक हिन्दी काव्य भाग–दो	**5**	80	20	100
चतुर्थ	आधुनिक गद्य साहित्य भाग–दो	**5**	80	20	100

यही अंक विभाजन प्रणाली प्रत्येक सेमेस्टर में लागू होगी। इस प्रकार कुल 1600 अंक होंगे।

द्वितीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र भाग–2
हिन्दी साहित्य का इतिहास

अधिकतम अंक : 80

पाठ्य विषय –

इकाई 1 उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) –
काल सीमा, नामकरण, प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धारायें, (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ। रीतिकाल के प्रतिनिधि रचनाकार एवं रचनाएँ।

इकाई 2 आधुनिक काल –
आधुनिक काल की सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।
सन् 1857 की राज्य क्रांति और पुनर्जागरण।
भारतेंदु युग – प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई 3 द्विवेदी युग –
प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं साहित्यिक विशेषताएँ, छायावाद – नामकरण और प्रवृत्तियाँ प्रमुख साहित्यकार, साहित्यिक विशेषताएँ। छायावादोत्तर काल (विभिन्न प्रवृत्तियाँ), प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीतवाद तथा समकालीन कविता, स्वच्छन्दतावाद सामान्य परिचय।

इकाई 4 हिन्दी गद्य का विकास –
आधुनिक काल, गद्य साहित्य के विभिन्न रूपों का उद्‌भव और विकास, उपन्यास व कहानी का विकास और सामान्य प्रवृत्तियाँ, निबंध का विकास और प्रवृत्तियाँ, नाटक का उद्‌भव और विकास – सामान्य प्रवृत्तियाँ, गीति–नाटकों का परिचयात्मक विवेचन।

<u>प्रपत्रानुसार</u>

		इकाई–I	**इकाई– II**	**इकाई– III**	**इकाई– IV**	**योग**
खण्ड–अ	अतिलघुउत्तरी अथवा वैकल्पिक (2 प्रश्न) (अधिकतम 2 वाक्य में)	2X2=4 अंक	2X2=4 अंक	2X2=4 अंक	2X2=4 अंक	16
खण्ड–ब	लघुउत्तरी (1 प्रश्न) 200–250 शब्द	1X6=6 अंक	1X6=6 अंक	1X6=6 अंक	1X6=6 अंक	24
खण्ड–स	दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 400–450 शब्द	1X10=10 अंक	1X10=10 अंक	1X10=10 अंक	1X10=10 अंक	40
कुल अंक						**80**

संदर्भ ग्रंथ –

1. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य – डॉ. बेचन
2. साहित्यिक निबंध – मायापति मिश्र एवं अंशु मिश्र
3. गद्य की विविध विधायें – डॉ. बापूराव देसाई
4. अद्यतन काव्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. पशुपतिनाथ उपाध्याय
5. समकालीन साहित्य चिंतन – रामदरश मिश्र
6. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – कृष्णशंकर शुक्ल
7. हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी – नंददुलारे वाजपेयी
8. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपति चंद्रगुप्त भाग 1 एवं 2।

द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र भाग–2

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

अधिकतम अंक : 80

पाठ्य विषय –

व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नांकित कवियों का अध्ययन किया जायेगा।

इकाई–1. सूरदास – भ्रमरगीत सार – सं. आचार्य रामचंद्र शुक्ल (50 पद)
पद संख्या – 1 से 10, 21 से 30, 51 से 60, 61 से 70, 81 से 90 तक (50 पद)।

इकाई–2. तुलसीदास – रामचरित मानस (सुंदरकाण्ड) गीता प्रेस, गोरखपुर।

इकाई–3. बिहारी – बिहारी रत्नाकर, सं. जगन्नाथ प्रसाद रत्नाकर (प्रारंभिक 100 दोहे)।

इकाई–4 द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 5 कवियों एवं उनकी रचनाओं का (विषय एवं शिल्पगत) ज्ञान अपेक्षित है।

(1) केशव,
(2) भूषण,
(3) पद्माकर,
(4) देव एवं
(5) घनानंद।

प्रपत्रानुसार

		इकाई–I	इकाई– II	इकाई– III	इकाई– IV	योग
खण्ड–अ	अतिलघुउत्तरी अथवा वैकल्पिक (2 प्रश्न) (अधिकतम 2 वाक्य में)	2X2=4 अंक	2X2=4 अंक	2X2=4 अंक	2X2=4 अंक	16
खण्ड–ब	लघुउत्तरी (1 प्रश्न) 200–250 शब्द	1X6=6 अंक	1X6=6 अंक	1X6=6 अंक	1X6=6 अंक	24
खण्ड–स						
भाग–एक	03, व्याख्याएँ – तीनों कवियों से एक–एक व्याख्या पूछी जायेगी दो हल करना है।				2X8=16 अंक	16
भाग–दो	दीर्घ उत्तरीय – तीनों कवियों से एक–एक प्रश्न पूछे जायेंगे दो हल करना है।				2X12=24 अंक	24
					कुल अंक	**80**

संदर्भ ग्रंथ :–

1. बिहारी – डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2. तुलसीदास और उनका युगसंदर्भ – डॉ. भगीरथ मिश्र
3. सूरदास काव्य का मूल्यांकन – डॉ. रामरतन भटनागर
4. तुलसी साहित्य के नये संदर्भ – डॉ. एल.एन. दुबे
5. सूरदास – डॉ. हरबंश लाल वर्मा
6. तुलसीदास – प्रो. सतीश कुमार – अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली।

APPROVED BY THE BOARD OF STUDIES ON		
NAME	**IN THE CAPACITY OF**	**SIGNATURE**
डॉ. सविता मिश्रा	CHAIRMAN	
डॉ. आभा तिवारी	SUBJECT EXPERT (VC NOMINEE)	
डॉ. अंजलि शर्मा	SUBJECT EXPERT (PRINCIPAL NOMINEE)	
श्रीमती चंद्रज्योति श्रीवास्तव	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
डॉ. कल्पना मिश्रा	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
कु. सरस्वती कुमारी	**भूतपूर्व छात्रा**	

द्वितीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र भाग–2
आधुनिक हिन्दी काव्य

अधिकतम अंक : 80

पाठ्य विषय –

व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नांकित तीन कवियों का अध्ययन किया जायेगा।

इकाई–1. सच्चिदानंद, हीरानंद, वात्स्यायन 'अज्ञेय' – नदी के द्वीप, असाध्यवीण, बावरा अहेरी। अन्य पाँच – यह द्वीप अकेला, सांप, एक सन्नाटा बुनता हूँ, कितनी नावों में कितनी बार, कलगी बाजरे की।

इकाई–2. गजानन माधव मुक्तिबोध – अंधेरे में।

इकाई–3. नागार्जुन – बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, शासन की बंदूक, यह तुम थीं, सिंदूर तिलकित भाल, वसंत की आगवानी, कोई आये तुमसे सीखे, शिशिर विष कन्या, कोयल आज बोली, तो फिर क्या हुआ।

इकाई–4. द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 5 कवियों एवं उनकी रचनाओं का विषय एवं शिल्पगत अध्ययन किया जायेगा।

(1) रघुवीर सहाय,

(2) त्रिलोचन शास्त्री,

(3) धूमिल,

(4) केदारनाथ अग्रवाल एवं

(5) भवानी प्रसाद मिश्र।

<u>प्रपत्रानुसार</u>

		इकाई–I	**इकाई– II**	**इकाई– III**	**इकाई– IV**	**योग**
खण्ड–अ	अतिलघुउत्तरी अथवा वैकल्पिक (2 प्रश्न) (अधिकतम 2 वाक्य में)	2X2=4 अंक	2X2=4 अंक	2X2=4 अंक	2X2=4 अंक	16
खण्ड–ब	लघुउत्तरी (1 प्रश्न) 200–250 शब्द	1X6=6 अंक	1X6=6 अंक	1X6=6 अंक	1X6=6 अंक	24
खण्ड–स						
भाग–एक	03–व्याख्याएँ – तीनों कवियों से एक–एक व्याख्या पूछी जायेगी दो हल करना है।				2X8=16 अंक	16
भाग–दो	दीर्घ उत्तरीय – तीनों कवियों से एक–एक प्रश्न पूछे जायेंगे दो हल करना है।				2X12=24 अंक	24
					कुल अंक	**80**

संदर्भ ग्रंथ :–

1. अज्ञेय का रचना संसार – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
2. शमशेर बहादुर सिंह – डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय
3. नया साहित्य : नये प्रश्न – नंद दुलारे वाजपेयी
5. आधुनिक हिन्दी काव्य – डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना।

APPROVED BY THE BOARD OF STUDIES ON		
NAME	**IN THE CAPACITY OF**	**SIGNATURE**
डॉ. सविता मिश्रा	CHAIRMAN	
डॉ. आभा तिवारी	SUBJECT EXPERT (VC NOMINEE)	
डॉ. अंजलि शर्मा	SUBJECT EXPERT (PRINCIPAL NOMINEE)	
श्रीमती चंद्रज्योति श्रीवास्तव	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
डॉ. कल्पना मिश्रा	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
कु. सरस्वती कुमारी	**भूतपूर्व छात्रा**	

द्वितीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र भाग–2
आधुनिक गद्य साहित्य

अधिकतम अंक : 80

पाठ्य विषय –

व्याख्या एवं विवेचना के लिए निर्धारित साहित्यकारों का अध्ययन किया जायेगा।

उपन्यास –

इकाई–1. गोदान – प्रेमचंद
इकाई–2. मैला आँचल – फणीश्वरनाथ रेणु

कहानी –

इकाई–3
1. परिंदे – निर्मल वर्मा
2. राजा निरबंसिया – कमलेश्वर
3. वापसी – उषा प्रियंवदा
4. चोर – जैनेन्द्र कुमार
5. उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
6. पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
7. सुजान भगत – प्रेमचंद

इकाई–4 द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 5 कहानीकारों एवं उनकी रचनाओं का अध्ययन अनिवार्य है –

1. कृष्णा सोबती,
2. राजेन्द्र यादव,
3. शानी,
4. मालती जोशी,
5. अलका सरावगी।

<u>प्रपत्रानुसार</u>

		इकाई–I	इकाई– II	इकाई– III	इकाई– IV	योग
खण्ड–अ	अतिलघुउत्तरी अथवा वैकल्पिक (2 प्रश्न) (अधिकतम 2 वाक्य में)	2X2=4 अंक	2X2=4 अंक	2X2=4 अंक	2X2=4 अंक	16
खण्ड–ब	लघुउत्तरी (1 प्रश्न) 200–250 शब्द	1X6=6 अंक	1X6=6 अंक	1X6=6 अंक	1X6=6 अंक	24
खण्ड–स						
भाग–एक	03–व्याख्याएँ – तीनों कवियों से एक–एक व्याख्या पूछी जायेगी दो हल करना है।				2X8=16 अंक	16
भाग–दो	दीर्घ उत्तरीय – तीनों कवियों से एक–एक प्रश्न पूछे जायेंगे दो हल करना है।				2X12=24 अंक	24
					कुल अंक	**80**

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिन्दी आंचलिक उपन्यासों में जीवन सत्य – डॉ. इंदुप्रकाश पाण्डेय
2. हिन्दी उपन्यासों में आँचलिकता की प्रकृति – डॉ. के. बुड़के
3. एकांकी और एकांकीकार – रामचरण महेन्द्र
4. हिन्दी कहानी का रचनाशास्त्र – डॉ. धनंजय वर्मा
5. हिन्दी निबंध का विकास – डॉ. ओंकारनाथ शर्मा
6. हिन्दी आंचलिक उपन्यासों में जीवन सत्य – डॉ. इंदुप्रकाश पाण्डेय।

APPROVED BY THE BOARD OF STUDIES ON		
NAME	**IN THE CAPACITY OF**	**SIGNATURE**
डॉ. सविता मिश्रा	CHAIRMAN	
डॉ. आभा तिवारी	SUBJECT EXPERT (VC NOMINEE)	
डॉ. अंजलि शर्मा	SUBJECT EXPERT (PRINCIPAL NOMINEE)	
श्रीमती चंद्रज्योति श्रीवास्तव	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
डॉ. कल्पना मिश्रा	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
कु. सरस्वती कुमारी	**भूतपूर्व छात्रा**	

शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय रायपुर 492001(छत्तीसगढ़)

हिन्दी विभाग

पाठ्यक्रम

शैक्षणिक सत्र् 2018–19

एम.ए.(हिन्दी) अंक विभाजन (सेमेस्टर–प्रणाली, तृतीय)

प्रश्न पत्र	शीर्षक	क्रेडिट्स	सैद्धांतिक	आंतरिक	कुल योग
प्रथम	काव्य शास्त्र एवं साहित्यालोचन भाग–एक	**5**	80	20	100
द्वितीय	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा भाग–एक	**5**	80	20	100
तृतीय	प्रयोजनमूलक हिन्दी भाग–एक	**5**	80	20	100
चतुर्थ	भारतीय साहित्य	**5**	80	20	100

यही अंक विभाजन प्रणाली प्रत्येक सेमेस्टर में लागू होगी। इस प्रकार कुल 1600 अंक होंगे।

तृतीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – प्रथम
काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन भाग–एक

अधिकतम अंक : 80

पाठ्य विषय –

इकाई 1 भारतीय काव्य शास्त्र
– काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन और काव्य के प्रकार
– रस सिद्धांत, रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति और साधरणीकरण, रस के अंग।

इकाई 2 अलंकार सिद्धांत, रीति सिद्धांत, वक्रोक्ति सिद्धांत, ध्वनि सिद्धांत और औचित्य सिंद्धांत।

इकाई 3 पाश्चात्य – काव्य शास्त्र
प्लेटो – काव्य सिद्धांत
अरस्तु – अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत।

इकाई 4 लोंजाइनस – उदात्त की अवधारणा
मैथ्यू आर्नल्ड – कला की अवधारणा।

इकाई 5 संपूर्ण पाठ्यक्रम में से लघुत्तरीय प्रश्न।

इकाई 6 संपूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ प्रश्न या अतिलघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

अंक विभाजन

इकाई 1	भारतीय काव्य शास्त्र	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 2	अलंकार तथा अन्य सिद्धांत	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 3	पाश्चात्य, प्लेटो एवं अरस्तू	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 4	लोंजाइनस एवं मैथ्यू आर्नल्ड	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 5	लघुत्तरीय	5 x 2	=	10 अंक
इकाई 6	वस्तुनिष्ठ	10 x 1	=	10 अंक
			कुल	80 अंक

निर्धारित पुस्तकें :–

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिंद्धांत – डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त
2. पाश्चात्य काव्य शास्त्र, इतिहास, सिद्धांत एवं वाद – डॉ. भगीरथ मिश्र
3. भारतीय काव्य शास्त्र के नये क्षितिज – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
4. मार्क्सवादी साहित्य सिद्धांत – डॉ. शिवकुमार मिश्र
5. भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
6. पाश्चात्य साहित्य चिंतन – डॉ. निर्मला जैन
7. भारतीय और पाश्चात्य काव्य शास्त्र – मूलजी भाई
8. आधुनिकता, साहित्य के संदर्भ में – डॉ. गंगा प्रसाद विमल।

APPROVED BY THE BOARD OF STUDIES ON		
NAME	**IN THE CAPACITY OF**	**SIGNATURE**
डॉ. सविता मिश्रा	CHAIRMAN	
डॉ. आभा तिवारी	SUBJECT EXPERT (VC NOMINEE)	
डॉ. अंजलि शर्मा	SUBJECT EXPERT (PRINCIPAL NOMINEE)	
श्रीमती चंद्रज्योति श्रीवास्तव	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
डॉ. कल्पना मिश्रा	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
कु. सरस्वती कुमारी	**भूतपूर्व छात्रा**	

तृतीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – द्वितीय
भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा भाग–एक

अधिकतम अंक : 80

पाठ्य विषय –

इकाई 1 भाषा और भाषा विज्ञान : भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना, भाषा विज्ञान स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ – वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई 2 स्वन प्रक्रिया : स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वागवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वन गुण, स्वनिक परिवर्तन। स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद।

इकाई 3 व्याकरण : रूप विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद, वाक्य के भेद, वाक्य–विश्लेषण, निकटस्थ अवयव विश्लेषण।

इकाई 4 अर्थ विज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता अर्थ–परिवर्तन।

इकाई 5 संपूर्ण पाठ्यक्रम में से लघुत्तरीय प्रश्न।

इकाई 6 संपूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ प्रश्न या अतिलघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

अंक विभाजन

इकाई 1	भाषा और भाषा विज्ञान	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 2	स्वन प्रक्रिया	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 3	व्याकरण	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 4	अर्थ विज्ञान	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 5	लघुत्तरीय	5 x 2	=	10 अंक
इकाई 6	वस्तुनिष्ठ	10 x 1	=	10 अंक
			कुल	**80 अंक**

निर्धारित पुस्तकें :–

1. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना
2. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. भारत के भाषा परिवार – डॉ. रामविलास शर्मा
4. भाषाशास्त्र की रूपरेखा – उदयनारायण तिवारी
5. हिन्दी शब्दानुसार – किशोरी दास वाजपेयी
6. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र – कपिलदेव द्विवेदी
7. हिन्दी और उसकी संक्षिप्त इतिहास – भोलानाथ तिवारी
8. हिन्दी और उसकी विविध बोलियाँ – प्रो. दीपचंद जैन
9. भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिन्दी भाषा – द्वारिका प्रसाद मिश्र।

APPROVED BY THE BOARD OF STUDIES ON		
NAME	**IN THE CAPACITY OF**	**SIGNATURE**
डॉ. सविता मिश्रा	CHAIRMAN	
डॉ. आभा तिवारी	SUBJECT EXPERT (VC NOMINEE)	
डॉ. अंजलि शर्मा	SUBJECT EXPERT (PRINCIPAL NOMINEE)	
श्रीमती चंद्रज्योति श्रीवास्तव	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
डॉ. कल्पना मिश्रा	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
कु. सरस्वती कुमारी	**भूतपूर्व छात्रा**	

तृतीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – तृतीय
प्रयोजन मूलक हिन्दी भाग–एक

अधिकतम अंक : 80

पाठ्य विषय –

इकाई 1 हिन्दी के विभिन्न रूप – कार्यालयीन हिन्दी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य – प्रारूपण, पत्र लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी। सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राज्य भाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा।

इकाई 2 पारिभाषिक शब्दावली – स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत, ज्ञान विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली।
हिन्दी कम्प्यूटर – कम्प्यूटर परिचय, उपयोगिता क्षेत्र, वेब पेज पब्लिशिंग का परिचय।

इकाई 3 इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय – प्रकार्यात्मक रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययता के सूत्र। इंटर एक्सप्लोइट अथवा नेट स्केप। हिन्दी साफ्टवेयर पैकेज। लिंक, बाउलिंग, ई मेल भेजना/प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल।

इकाई 4 पत्रकारिता स्वरूप एवं प्रकार – हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास, समाचार लेखन कला, संपादन के आधार भूत तत्व, व्यावहारिक प्रूफ शोधन, शीर्षक संरचना, लीड, इंट्रो एवं शीर्षक, संपादकीय लेखन, पृष्ठ सज्जा, साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन, प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता।

इकाई 5 संपूर्ण पाठ्यक्रम में से लघुत्तरीय प्रश्न।

इकाई 6 संपूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ प्रश्न या अतिलघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

अंक विभाजन

इकाई 1	हिन्दी के विभिन्न रूप	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 2	पारिभाषिक शब्दावली	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 3	इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 4	पत्रकारिता स्वरूप एवं प्रकार	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 5	लघुत्तरीय	5 x 2	=	10 अंक
इकाई 6	वस्तुनिष्ठ	10 x 1	=	10 अंक
			कुल	**80 अंक**

निर्धारित पुस्तकें :–

1. प्रयोजन परक हिन्दी – प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित
2. प्रशासनिक हिन्दी – पुष्पाकुमारी – क्लासिक पब्लिक कम्पनी
3. पत्रकारिता के छह दशक – जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी
4. हिन्दी पत्रकारिता – कृष्ण बिहारी मिश्र
5. भारतीय समाचार पत्रों का संगठन और प्रबंधन – डॉ. सुकुमार जैन
6. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम – डॉ. संजीव भनावत
7. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय मल्होत्रा
8. कम्प्यूटर एप्लीकेशन – गौरव अग्रवाल।

APPROVED BY THE BOARD OF STUDIES ON		
NAME	**IN THE CAPACITY OF**	**SIGNATURE**
डॉ. सविता मिश्रा	CHAIRMAN	
डॉ. आभा तिवारी	SUBJECT EXPERT (VC NOMINEE)	
डॉ. अंजलि शर्मा	SUBJECT EXPERT (PRINCIPAL NOMINEE)	
श्रीमती चंद्रज्योति श्रीवास्तव	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
डॉ. कल्पना मिश्रा	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
कु. सरस्वती कुमारी	**भूतपूर्व छात्रा**	

तृतीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – चतुर्थ
भारतीय साहित्य

अधिकतम अंक : 80

पाठ्य विषय –

इकाई 1 भारतीय साहित्य का स्वरूप

भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, भारतीयता का समाज शास्त्र, भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब, हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।

इकाई 2 इसके अंतर्गत हिन्दीत्तर साहित्य का अध्ययन अपेक्षित है, जो तीन वर्गों में विभाजित है :–

1. दक्षिणात्य भाषा वर्ग में मलयालम,
2. पूर्वांचल भाषा वर्ग में बंगला,
3. पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग में मराठी।

निर्देश– 1. प्रत्येक विद्यार्थी इन तीनों विकल्पों में से एक भाषा का चयन करेगा, बशर्ते वह भाषा अपनी क्षेत्रीय भाषा से भिन्न भाषा वाले वर्ग से संबंधित हो।

2. विद्यार्थी एक भाषा वर्ग (मराठी) एक साहित्य के इतिहास का अध्ययन करेगा।

इकाई 3 इस खंड के अंतर्गत तुलनात्मक अध्ययन अपेक्षित है। इसमें तृतीय खंड में निर्धारित किसी एक हिन्दीत्तर भाषा साहित्य के साथ हिन्दी को जोड़कर अध्ययन करना होगा।

इकाई 4 अग्निगर्भ (महाश्वेता देवी) उपन्यास एवं हयवदन (गिरीश कर्नाड) नाटक का आलोचनात्मक अध्ययन।

इकाई 5 संपूर्ण पाठ्यक्रम में से लघुत्तरीय प्रश्न।

इकाई 6 संपूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ प्रश्न या अतिलघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

अंक विभाजन

इकाई 1	भारतीय साहित्य का स्वरूप	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 2	हिन्दीत्तर साहित्य का अध्ययन	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 3	अग्निगर्भ (महाश्वेता देवी) एवं हयवदन (गिरीश कर्नाड)	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 4	तुलनात्मक अध्ययन	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 5	लघुत्तरीय	5 x 2	=	10 अंक
इकाई 6	वस्तुनिष्ठ	10 x 1	=	10 अंक
			कुल	**80 अंक**

निर्धारित पुस्तकें :–

1.	मलयालम साहित्य – परख और पहचान	–	प्रो. आर. सुरेन्द्रन
2.	राष्ट्रीय चेतना और मलयालम साहित्य	–	प्रो. आर. सुरेन्द्रन
3.	मराठी भाषा और साहित्य	–	राजमल बोरा
4.	मलयालम साहित्यकारों से साक्षात्कार	–	प्रो. सुरेन्द्रन
5.	बंगला भाषा और साहित्य का इतिहास	–	भारतीय भाषा संस्थान, इलाहाबाद
6.	भारतीय साहित्य कोश	–	डॉ. नगेन्द्र
7.	भारतीय साहित्य	–	डॉ. नगेन्द्र
8.	भारतीय साहित्य रत्नमाल	–	सं. कृष्णदयाल भार्गव
9.	भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ	–	डॉ. रामविलास शर्मा
10.	भारतीय भाषाओं के साहित्य का इतिहास	–	केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, दिल्ली।

APPROVED BY THE BOARD OF STUDIES ON		
NAME	**IN THE CAPACITY OF**	**SIGNATURE**
डॉ. सविता मिश्रा	CHAIRMAN	
डॉ. आभा तिवारी	SUBJECT EXPERT (VC NOMINEE)	
डॉ. अंजलि शर्मा	SUBJECT EXPERT (PRINCIPAL NOMINEE)	
श्रीमती चंद्रज्योति श्रीवास्तव	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
डॉ. कल्पना मिश्रा	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
कु. सरस्वती कुमारी	**भूतपूर्व छात्रा**	

शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय रायपुर 492001 (छत्तीसगढ़)

हिन्दी विभाग

पाठ्यक्रम

शैक्षणिक सत्र् 2018–19

एम.ए.(हिन्दी) अंक विभाजन (सेमेस्टर–प्रणाली, चतुर्थ)

प्रश्न पत्र	शीर्षक	क्रेडिट्स	सैद्धांतिक	आंतरिक	कुल योग
प्रथम	काव्य शास्त्र एवं साहित्यालोचन भाग–दो	**5**	80	20	100
द्वितीय	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा भाग–दो	**5**	80	20	100
तृतीय	प्रयोजनमूलक हिन्दी भाग–दो	**5**	80	20	100
चतुर्थ	जनपदीय भाषा और साहित्य (छत्तीसगढ़ी)	**5**	80	20	100

यही अंक विभाजन प्रणाली प्रत्येक सेमेस्टर में लागू होगी। इस प्रकार कुल 1600 अंक होंगे।

चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – प्रथम
काव्य शास्त्र एवं साहित्यालोचन भाग–दो

अधिकतम अंक : 80

पाठ्य विषय –

इकाई 1 अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ, शैलीविज्ञान, उत्तर आधुनिकता।

इकाई 2 हिन्दी कवि आचार्यों का काव्य शास्त्रीय चिंतन – लक्षण – काव्य – परम्परा शास्त्रीय –
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल,
आचार्य नंददुलाने वाजपेयी,
डॉ. रामविलास शर्मा,
केशव,
देव।

इकाई 3 आधुनिक हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ – शास्त्रीय ऐतिहासिक मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्य शास्त्रीय।

इकाई 4 व्यावहारिक समीक्षा : काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार व्याख्या।

इकाई 5 संपूर्ण पाठ्यक्रम में से लघुत्तरीय प्रश्न।

इकाई 6 संपूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ प्रश्न या अतिलघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

अंक विभाजन

इकाई 1	अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 2	हिन्दी कवि आचार्यों का काव्य शास्त्रीय चिंतन	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 3	आधुनिक हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 4	व्यावहारिक समीक्षा	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 5	लघुत्तरीय	5 x 2	=	10 अंक
इकाई 6	वस्तुनिष्ठ	10 x 1	=	10 अंक
			कुल	**80 अंक**

निर्धारित पुस्तकें :–

1. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत–भाग एक एवं दो – डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
2. हिन्दी आलोचना : उद्‌भव और विकास – डॉ. भगवत स्वरूप मिश्र
3. हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ – डॉ. रामेश्वर खण्डेलवाल
4. आलोचना के बदलते मानदण्ड और हिन्दी साहित्य – डॉ. शिवकरण सिंह
5. हिन्दी अलोचना का विकास – डॉ. नंदकिशोर नवल
6. अस्तित्ववाद किर्कगार्द से कामू तक – योगेन्द्र शाही
7. आलोचक रामविलास शर्मा – रणधीर सिन्हा।

APPROVED BY THE BOARD OF STUDIES ON		
NAME	**IN THE CAPACITY OF**	**SIGNATURE**
डॉ. सविता मिश्रा	CHAIRMAN	
डॉ. आभा तिवारी	SUBJECT EXPERT (VC NOMINEE)	
डॉ. अंजलि शर्मा	SUBJECT EXPERT (PRINCIPAL NOMINEE)	
श्रीमती चंद्रज्योति श्रीवास्तव	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
डॉ. कल्पना मिश्रा	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
कु. सरस्वती कुमारी	**भूतपूर्व छात्रा**	

चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – द्वितीय
भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा भाग–दो

अधिकतम अंक : 80

पाठ्य विषय –

इकाई 1 हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ – वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ – पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण।

इकाई 2 हिन्दी का भौगोलिक विस्तार – हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ। खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।

इकाई 3 हिन्दी के विविध रूप – संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा राज्य भाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम भाषा, संचार भाषा, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

इकाई 4 देवनागरी लिपि : विशेषताएँ और मानकीकरण।

इकाई 5 संपूर्ण पाठ्यक्रम में से लघुत्तरीय प्रश्न।

इकाई 6 संपूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ प्रश्न या अतिलघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

अंक विभाजन

इकाई 1	हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 2	हिन्दी का भौगोलिक विस्तार	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 3	हिन्दी के विविध रूप	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 4	देवनागरी लिपि	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 5	लघुत्तरीय	5 x 2	=	10 अंक
इकाई 6	वस्तुनिष्ठ	10 x 1	=	10 अंक
			कुल	**80 अंक**

निर्धारित पुस्तकें :–

1. हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास – भोलानाथ तिवारी
2. हिन्दी और उसकी विविध बोलियाँ – प्रो. दीपचंद जैन
3. भाषा भूगोल – कैलाशचंद भाटिया, हिन्दी समिति, उ.प्र. शासन, लखनऊ
4. हिन्दी भाषा की रूप संरचना – भोलानाथ तिवारी
5. राष्ट्रभाषा हिन्दी समस्याएँ और समाधान – देवेन्द्रनाथ शर्मा
6. नागरी लिपि और हिन्दी – अनंत चौधरी
7. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना
8. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी

APPROVED BY THE BOARD OF STUDIES ON		
NAME	**IN THE CAPACITY OF**	**SIGNATURE**
डॉ. सविता मिश्रा	CHAIRMAN	
डॉ. आभा तिवारी	SUBJECT EXPERT (VC NOMINEE)	
डॉ. अंजलि शर्मा	SUBJECT EXPERT (PRINCIPAL NOMINEE)	
श्रीमती चंद्रज्योति श्रीवास्तव	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
डॉ. कल्पना मिश्रा	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
कु. सरस्वती कुमारी	**भूतपूर्व छात्रा**	

चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – तृतीय
प्रयोजनमूलक हिन्दी भाग–दो

अधिकतम अंक : 80

पाठ्य विषय –

इकाई 1 मीडिया लेखन
जनसंचार : प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ, विभिन्न जनसंचार – माध्यमों का स्वरूप – मुद्रण, श्रवण, दृश्यश्रवण, इंटरनेट, श्रवण–माध्यम (रेडियो), मौखिक भाषा की प्रकृति। समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन–लेखन, फीचर तथा रिपोतार्ज।

इकाई 2 दृश्य–श्रवण माध्यम (फिल्म, टेलीविजन एवं रेडियो), दृश्य–माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वॉयस ओवर)। पटकथा–लेखन, टेली–ड्रामा, संवाद–लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण, विज्ञापन की भाषा।

इकाई 3 अनुवाद – परिभाषा, क्षेत्र और सीमाएं। अनुवाद के प्रकार, अनुवाद की प्रक्रिया एवं प्रविधि। अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धांत, अनुवाद की सार्थकता, प्रासंगिकता एवं व्यावसायिक परिदृश्य। हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।

इकाई 4 शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, जनसंचार माध्यमों का अनुवाद, विज्ञापन में अनुवाद, व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास, दुभाषिया प्रविधि, अनुवादक, अनुवादक के गुण।

इकाई 5 संपूर्ण पाठ्यक्रम में से लघुत्तरीय प्रश्न।

इकाई 6 संपूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ प्रश्न या अति लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

अंक विभाजन

इकाई 1	मीडिया लेखन	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 2	दृश्य–श्रवण माध्यम	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 3	अनुवाद परिभाषा, क्षेत्र और सीमाएं	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 4	शाब्दिक अनुवाद	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 5	लघुत्तरीय	5 x 2	=	10 अंक
इकाई 6	वस्तुनिष्ठ	10 x 1	=	10 अंक
			कुल	**80 अंक**

निर्धारित पुस्तकें :–

1. जनसंचार माध्यमों में हिन्दी – डॉ. चन्द्रकुमार (क्लासिकल पब्लिक कंपनी)
2. जनमाध्यम एवं पत्रकारिता – प्रवीण दीक्षित (सहयोगी साहित्य संस्थान)
3. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम – डॉ. संजीव भागवन्त (उ.प्र. जयपुर)
4. पत्रकारिता के विविध आयाम – वेदप्रताप वैदिक
5. दूरदर्शन : हिन्दी के प्रयोजनमूलक विविध प्रयोग – डॉ. कृष्णकुमार रत्तू (मीनाक्षी प्रकाशन, जयपुर)
6. अनुवान के सिद्धांत – सुरेश कुमार
7. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – सुरेश कुमार
8. अनुवाद–बोध – डॉ. गार्गी गुप्त (भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली)
9. कार्यालयीन हिन्दी – डॉ. केशरी लाल वर्मा (ओम प्रकाशन, रायपुर)

APPROVED BY THE BOARD OF STUDIES ON		
NAME	**IN THE CAPACITY OF**	**SIGNATURE**
डॉ. सविता मिश्रा	CHAIRMAN	
डॉ. आभा तिवारी	SUBJECT EXPERT (VC NOMINEE)	
डॉ. अंजलि शर्मा	SUBJECT EXPERT (PRINCIPAL NOMINEE)	
श्रीमती चंद्रज्योति श्रीवास्तव	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
डॉ. कल्पना मिश्रा	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
कु. सरस्वती कुमारी	**भूतपूर्व छात्रा**	

चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – चतुर्थ
जनपदीय भाषा और साहित्य (छत्तीसगढ़ी)

अधिकतम अंक : 80

पाठ्य विषय –

इकाई 1 छत्तीसगढ़ का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक इतिहास
छत्तीसगढ़ी भाषा–भौगोलिक सीमा, नामकरण, बोली भेद (छत्तीसगढ़ी की बोलियाँ), व्याकरण के अंग–उपांग।

इकाई 2 छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति के विविध रंग – नाचा, पंडवानी, भरथरी, बांसगीत, ददरिया, चंदैनी, पंथी। छत्तीसगढ़ी साहित्य की युग प्रवृत्तियाँ एवं इतिहास।

इकाई 3 छत्तीसगढ़ के प्रमुख साहित्यकार – संत धर्मदास से अब तक
संत धर्मदास, गोपाल मिश्र, बाबू रेवाराम, जगन्नाथ प्रसाद भानु, बिसाहू राम, सैय्यद अमीर अली मीर, ठाकुर जगमोहन सिंह, लोचन प्रसाद पाण्डेय, मुकुटधर पांडेय, डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र, पदुमलाल पुन्नालाल बक्शी, सतीश चौबे, विनोद कुमार शुक्ल, हरि ठाकुर, कुंजबिहारी चौबे।

इकाई 4 छत्तीसगढ़ी नाटक एवं उपन्यास
1. करमछड़हा (नाटक) – डॉ. खूबचंद बघेल, दानलीला – पं. सुंदरलाल शर्मा
2. आवा (उपन्यास) – परदेशीराम वर्मा।

इकाई 5 द्रुतपाठ हेतु निम्नलिखित रचनाकार का अध्ययन (लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जावेंगे) :–
1. लखललाल गुप्त 2. लक्ष्मण मस्तुरिहा 3 केयूर भूषण
4. सत्यभामा आडिल 5. लोचन प्रसाद पाण्डेय 6. लाला जगदलपुरी
7. पवन दीवान 8. कोदूराम दलित 9. भगवती सेन
10. नारायण लाल परमार।

इकाई 6 संपूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ प्रश्न या अतिलघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

अंक विभाजन

इकाई 1	छत्तीसगढ़ का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक इतिहास	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 2	छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति के विविध रंग	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 3	छत्तीसगढ़ के प्रमुख साहित्यकार	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 4	छत्तीसगढ़ी नाटक एवं उपन्यास	1 x 15	=	15 अंक
इकाई 5	लघुत्तरीय	5 x 2	=	10 अंक
इकाई 6	वस्तुनिष्ठ	10 x 1	=	10 अंक
			कुल	**80 अंक**

निर्धारित पुस्तकें :–

1. छत्तीसगढ़ी का उद्‌विकास – डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा
2. छत्तीसगढ़ी, हलबी, भतरी भाषाओं का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन–भालचंद्र राव तैलंग
3. छत्तीसगढ़ परिचय – डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र
4. छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य का अध्ययन – दयाशंकर शुक्ल
5. छत्तीसगढ़ी लोकजीवन और लोकसाहित्य का अध्ययन – डॉ. शकुन्तला वर्मा
6. छत्तीसगढ़ी का भाषा शास्त्रीय अध्ययन – डॉ. शंकर शेष
7. प्राचीन छत्तीसगढ़ी बोली – प्यारे लाल गुप्त
8. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य और भाषा – डॉ. बिहारी लाल साहू
9. छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य – डॉ. सत्यभामा आडिल

APPROVED BY THE BOARD OF STUDIES ON		
NAME	**IN THE CAPACITY OF**	**SIGNATURE**
डॉ. सविता मिश्रा	CHAIRMAN	
डॉ. आभा तिवारी	SUBJECT EXPERT (VC NOMINEE)	
डॉ. अंजलि शर्मा	SUBJECT EXPERT (PRINCIPAL NOMINEE)	
श्रीमती चंद्रज्योति श्रीवास्तव	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
डॉ. कल्पना मिश्रा	MEMBER OF THE DEPARTMENT	
कु. सरस्वती कुमारी	**भूतपूर्व छात्रा**	

—:—